+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(20 February 2025)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- सुंदरबन प्राकृतिक और मानव निर्मित खतरों का सामना करने में सक्षम
- आईफोन के रिकॉर्ड उत्पादन के कारण भारत से स्मार्टफोन निर्यात को बढ़ावा
- 'RBIDATA': आर्थिक आंकड़ों तक आसान पहुंच बनाने वाला, RBI का मोबाइल ऐप

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

सुंदरबन प्राकृतिक और मानव निर्मित खतरों का सामना करने में सक्षम:

चर्चा में क्यों है?

- भारत और बांग्लादेश स्थित सुंदरवन दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन क्षेत्र है - यह पृथ्वी पर सबसे अधिक उत्पादक पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक है, जो चक्रवातों के खिलाफ रक्षा की पहली पंक्ति के रूप में कार्य करता है, पक्षियों, जानवरों और कीड़ों की एक बड़ी विविधता का घर है, और ग्लोबल वार्मिंग के खिलाफ लड़ाई में मदद करता है।

- हालांकि सुंदरबन को कई प्राकृतिक और मानव निर्मित खतरों से चुनौती मिल रही है, एक हालिया अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि यह उल्लेखनीय रूप से सहनशील है, जो तनावों से काफी तेजी से उबरते हैं।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

सुंदरबन मैंग्रोव वन क्षेत्र क्या है?

- सुंदरबन मैंग्रोव वन, दुनिया का सबसे बड़ा (140,000 हेक्टेयर) मैंग्रोव वन क्षेत्र है, बंगाल की खाड़ी में गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियों के डेल्टा पर स्थित है। यह स्थल ज्वारीय जलमार्गों, कीचड़ और नमक-सहिष्णु मैंग्रोव वनों के छोटे द्वीपों के एक जटिल नेटवर्क से घिरा हुआ है।
- यह क्षेत्र अपने जीवों की विस्तृत श्रृंखला के लिए जाना जाता है। सुंदरबन पर ग्लोबल मैंग्रोव अलायंस की रिपोर्ट के अनुसार, "संकटग्रस्त और लुप्तप्राय वन्यजीव - जैसे बंगाल टाइगर, इरावदी नदी डॉल्फिन, पंखहीन पोरपोइज़ और एस्टुराइन मगरमच्छ - यहाँ रहते हैं। यह भारत के पूर्वी तट पर 90% जलीय प्रजातियों के लिए एक नर्सरी भी है और तटीय तूफानों की भयंकर लहरों और हवाओं के लिए एक जैव-ढाल के रूप में कार्य करता है।
- भारतीय सुंदरबन को पारिस्थितिकी तंत्र की IUCN रेड लिस्ट के तहत 2020 के आकलन में लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिससे उनके खतरों और उन खतरों से मुकाबला करने वाले तंत्र के बारे में विस्तृत अध्ययन महत्वपूर्ण हो गया।

यह अध्ययन क्या है और इसमें क्या पाया गया?

- आईआईटी बॉम्बे, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता और राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (इसरो), हैदराबाद के शोधकर्ताओं द्वारा 'दक्षिण एशिया में सुंदरबन मैंग्रोव की मौसम संबंधी चरम स्थितियों और मानवजनित जल प्रदूषण के प्रति लचीलापन' नामक अध्ययन किया गया।
- इस अध्ययन के परिणाम दर्शाते हैं कि मैंग्रोव मौसम की चरम स्थितियों के कारण होने वाले शारीरिक तनावों से एक से दो सप्ताह के भीतर जल्दी से उबर जाते हैं, तथा मानव-प्रेरित जल प्रदूषण के कारण पोषक तत्वों की संरचना में भारी गिरावट के बावजूद स्थिर उत्पादकता बनाए रखते हैं।
- यह अध्ययन दर्शाता है कि मैंग्रोव क्षेत्र के जल-मौसम संबंधी चरों के साथ "लिंक स्ट्रेंथ और मेमोरी" को बढ़ाकर इस स्थिर उत्पादकता को बनाए रखते हैं। अर्थात मैंग्रोव जिस तनाव का सामना कर रहे हैं, उसके आधार पर वे तनावपूर्ण घटना से निपटने के लिए पर्यावरण के साथ अपनी प्रतिक्रिया के तरीके को बदल देते हैं।

पौधों में "लिंक स्ट्रेंथ और मेमोरी" क्या है?

- मैंग्रोव जैसी बड़ी और जटिल वनस्पति प्रणाली में कई लिंक होते हैं - आपस में जुड़ी हुई जड़ें, साझा पोषक तत्व और मिट्टी की संरचना, साझा तनाव कारक,

आदि। वहीं पौधों में मेमोरी का मतलब है "याद रखना" कि उन्होंने अतीत में किसी तनावपूर्ण घटना, जैसे कि चक्रवात, पर कैसे प्रतिक्रिया की थी और भविष्य के लिए उस प्रतिक्रिया को संग्रहीत करना।

मैंग्रोव संरक्षण प्रयासों में इस अध्ययन के निष्कर्ष महत्वपूर्ण क्यों है?

- यह अध्ययन सुंदरबन के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डालता है और उन्हें बचाने और संरक्षित करने के तरीकों की तलाश में एक भविष्य की राह दिखाता है।
- जैसा कि शोधकर्ता लिखते हैं कि प्राकृतिक और मानव जनित तनावों के लिए मैंग्रोव का प्रतिरोध अत्यधिक जुड़े नेटवर्क द्वारा प्रदान किए गए प्रतिरोध को दर्शाता है। इस अध्ययन से प्राप्त जानकारी दक्षिण एशिया में मैंग्रोव को बहाल करने के लिए वैज्ञानिक रूप से संचालित प्रकृति-आधारित समाधान हस्तक्षेप करने के लिए आवश्यक होगी।

मैंग्रोव वन क्या होते हैं?

- मैंग्रोव वन नमक-सहिष्णु पेड़ और झाड़ियां होते हैं जो उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय कटिबंधों में नदी मुहाने और अंतर-ज्वारीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जिसका अर्थ है कि वे उन क्षेत्रों में उगते हैं जहाँ मीठे पानी और खारे पानी का

मिलन होता है। मैंग्रोव में आमतौर पर हवाई, सांस लेने वाली जड़ें और रसीले पत्ते होते हैं, और ये फूलदार पौधे होते हैं।

मैंग्रोव चरम जलवायु घटनाओं से कैसे सुरक्षा करते हैं?

- दलदल और दलदली क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में पाए जाने वाले मैंग्रोव एक तटीय वन पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और चरम जलवायु घटनाओं जैसे चक्रवात एवं समुद्र के उभार से आने वाली तूफानी लहर के विरुद्ध जैव-ढाल के रूप में भी कार्य करते हैं।
- विश्व बैंक द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, जब चक्रवात आते हैं, तो मैंग्रोव वन अपनी जड़ों और पत्तियों से पानी के प्रवाह को बाधित करके तूफानी लहरों के खिलाफ एक अवरोधक के रूप में कार्य करते हैं। जब मैंग्रोव को निर्मित बुनियादी ढांचे के साथ जोड़ा जाता है, तो चक्रवात के प्रभाव को और कम किया जा सकता है।

भारत में मैंग्रोव वनों की स्थिति:

- भारत में, कई स्थानों पर मैंग्रोव पाए जाते हैं। सुंदरबन (भारत और बांग्लादेश में फैला हुआ) दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन है। आंध्र प्रदेश में गोदावरी कृष्णा

डेल्टा, ओडिशा में भीतरकनिका क्षेत्र, अंडमान, केरल, गुजरात, तमिलनाडु आदि में मैंग्रोव वन इसके कुछ उदाहरण हैं।

- भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट (IFSR) 2023 के अनुसार, भारत में लगभग 4,992 वर्ग किमी मैंग्रोव वन हैं, जिसमें पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 2,114 वर्ग किमी का मैंग्रोव कवर है। हालांकि, भारत में भी मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र तटीय क्षेत्रों में बढ़ती आबादी और भूमि, इमारती लकड़ी, चारा, ईंधन-लकड़ी और अन्य गैर-लकड़ी वन उत्पादों जैसे मत्स्य पालन की बढ़ती मांग के कारण लगातार दबाव का सामना कर रहा है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

आईफोन के रिकॉर्ड उत्पादन के कारण भारत से स्मार्टफोन निर्यात को बढ़ावा:

चर्चा में क्यों है?

- आईफोन के रिकॉर्ड उत्पादन के कारण, इस वित्तीय वर्ष के पहले 10 महीनों में भारत के मोबाइल फोन निर्यात में लगभग 50% की वृद्धि हुई है। अप्रैल-जनवरी के दौरान मोबाइल फोन शिपमेंट का मूल्य 1.5 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 1 लाख करोड़ रुपये था।

- यह वृद्धि मुख्य रूप से एप्पल द्वारा किए गए मजबूत प्रयासों के कारण हुई है, जिसने चीन में अपने सेटअप के समानांतर भारत में अपने कारखानों को कंपनी के वैश्विक विनिर्माण केंद्र बना दिया है। अनुमान है कि अप्रैल-जनवरी के दौरान आईफोन का निर्यात 1 लाख करोड़ रुपये के करीब था, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 60,000 करोड़ रुपये था।

इलेक्ट्रॉनिक सामान निर्यात बास्केट में दूसरे सबसे बड़ा आइटम:

- वाणिज्य विभाग द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि जनवरी में इलेक्ट्रॉनिक सामान भारत के निर्यात बास्केट में दूसरे सबसे बड़े आइटम के रूप में तेल उत्पादों से आगे निकल गए थे।
- उल्लेखनीय है कि पीएलआई योजना ने न केवल भारत से निर्यात को बढ़ावा देने में मदद की है, बल्कि आयात में भी कमी आई है क्योंकि घरेलू मांग का लगभग 99% स्थानीय उत्पादन द्वारा पूरा किया जाता है।
- वहीं मोबाइल फोन से जुड़े उद्योग निकाय 'इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (ICEA)' ने कहा कि देश में मजबूत विनिर्माण आधार की स्थापना के साथ, मोबाइल फोन निर्यात वर्ष के अंत तक 1.8 लाख करोड़ रुपये रहने की उम्मीद है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 1.3 लाख करोड़ रुपये था।

PLI योजना के कारण भारत में स्मार्टफोन का उत्पादन बढ़ा:

- ICEA के अनुसार, PLI योजना के शुभारंभ के बाद से, भारत में मोबाइल फोन का उत्पादन दोगुना हो गया है - वित्त वर्ष 2023-24 में 2,20,000 करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 2024-25 में 4,22,000 करोड़ रुपये तक। भविष्य को देखते हुए, वित्त

वर्ष 2025-26 में इसका उत्पादन अनुमानित 5,10,000 करोड़ रुपये तक पहुँचने वाला है।

- यह भी अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक मोबाइल फोन का निर्यात लगभग 1,80,000 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। यह पिछले वित्त वर्ष के 1,29,000 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 40% वृद्धि दर्शाता है और वित्त वर्ष 20-21 में PLI योजना की शुरुआत के बाद से 680% से अधिक की अनुमानित वृद्धि है।

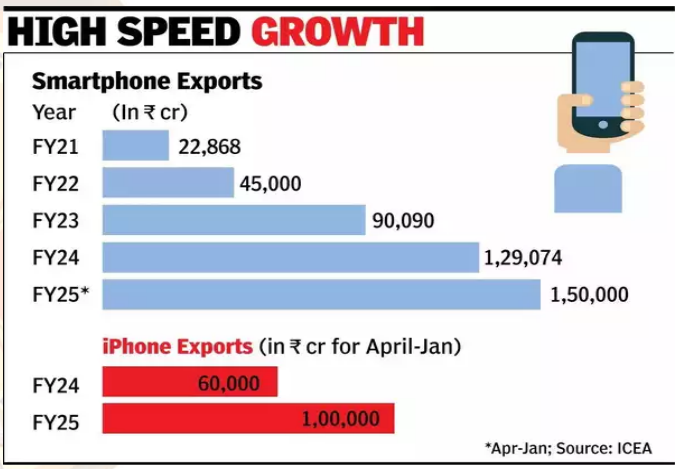

स्मार्टफोन निर्माण के लिए PLI योजना के तहत प्रोत्साहन:

- स्मार्टफोन निर्माण के लिए PLI योजना के तहत, सरकार ने 2022-23 से 2024-25 तक तीन वर्षों में करीब 8,700 करोड़ रुपये का वितरण किया है, जिसमें एप्पल के तीन अनुबंध निर्माता फॉक्सकॉन, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पेगाट्रॉन को कुल मिलाकर 75 प्रतिशत से अधिक राशि प्राप्त हुई है।
- कुल मिलाकर, पांच लाभार्थियों को सामूहिक रूप से कुल वितरण का 98 प्रतिशत से अधिक प्राप्त हुआ: फॉक्सकॉन (2,807.17 करोड़ रुपये), टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स

(2,067.51 करोड़ रुपये), पेगाट्रॉन (1,724.36 करोड़ रुपये), सैमसंग (1,365.91 करोड़ रुपये) और पैडगेट इलेक्ट्रॉनिक्स (596 करोड़ रुपये)।

- स्थानीय अनुबंध निर्माता डिक्सन (पैडगेट इलेक्ट्रॉनिक्स) को भी इस योजना का लाभ मिला है। यह कंपनी Xiaomi, Google, Samsung और Motorola जैसी कंपनियों के लिए स्मार्टफोन और फीचर फोन बनाती है।
- लेकिन, लावा, भगवती और ऑप्टिमस जैसी कुछ अन्य घरेलू कंपनियां प्रोत्साहन प्राप्त करने के लिए पीएलआई लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रही हैं।
- उल्लेखनीय है कि पीएलआई योजना के तहत उत्पादन करने वाली कंपनियों द्वारा जून 2024 तक किया गया वास्तविक निवेश 8,282 करोड़ रुपये से थोड़ा कम था, जबकि कुल सब्सिडी वितरण 8,700 करोड़ रुपये था।

'RBIDATA': आर्थिक आंकड़ों तक आसान पहुंच बनाने वाला, RBI का मोबाइल ऐप

चर्चा में क्यों है?

- 18 फरवरी को भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय और व्यापक आर्थिक डेटा को अधिक व्यापक रूप से उपलब्ध कराने के लिए 'RBIDATA' मोबाइल ऐप पेश किया। यह नया एप्लिकेशन उन सभी लोगों के लिए एक सहज और उपयोग में आसान प्लेटफार्म प्रदान करता है जो भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले डेटा के बारे में जानना चाहते हैं।

- उल्लेखनीय है कि इस मोबाइल ऐप के ज़रिए RBI आम जनता, विद्वानों और छात्रों को आसानी से सुलभ रूप में आर्थिक जानकारी उपलब्ध कराना चाहता है।

RBIDATA: आर्थिक डेटा का विशाल भंडार

- RBIDATA भारत की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं को कवर करते हुए 11,000 से अधिक आर्थिक डेटा श्रृंखलाओं तक पहुँच प्रदान करता है। यह जानकारी

विश्वसनीय डेटाबेस से प्राप्त की जाती है, जो वित्तीय जानकारी चाहने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए प्रामाणिकता और प्रासंगिकता सुनिश्चित करती है।

- ऐप विभिन्न आर्थिक डेटा को संरचित तरीके से प्रस्तुत करता है, जिससे उपयोगकर्ता विभिन्न आर्थिक संकेतकों का पता लगा सकते हैं, जिनमें शामिल हैं:
  - ➢ मुद्रास्फीति और मूल्य सूचकांक
  - ➢ बैंकिंग और मौद्रिक आँकड़े
  - ➢ राष्ट्रीय आय और जीडीपी रुझान
  - ➢ बाहरी व्यापार और भुगतान संतुलन
  - ➢ सरकारी वित्त और राजकोषीय नीति डेटा

प्रमुख विशेषताओं के साथ बेहतर उपयोगकर्ता पहुँच:

- RBIDATA में उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए कई सुविधाएं शामिल हैं:
- **लोकप्रिय रिपोर्ट अनुभाग:** यह सुविधा अक्सर देखी जाने वाली रिपोर्टों को हाइलाइट करती है, जिससे व्यापक खोज के बिना व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले आर्थिक आंकड़ों तक पहुंचना आसान हो जाता है।

- **उन्नत खोज कार्यक्षमता:** उपयोगकर्ता एक खोज फ़ंक्शन का उपयोग करके विशिष्ट डेटासेट को तेज़ी से ढूँढ सकते हैं जो कई अनुभागों के माध्यम से नेविगेट करने की आवश्यकता को समाप्त करता है।
- **बैंकिंग आउटलेट लोकेटर:** ऐप में एक बैंकिंग आउटलेट सुविधा शामिल है, जो उपयोगकर्ताओं को उनके स्थान के 20 किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सुविधाएँ खोजने में सक्षम बनाती है। यह सुविधा विशेष रूप से उन व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए फायदेमंद है जो आस-पास की बैंकिंग सेवाएँ चाहते हैं।

सार्क डेटा के साथ क्षेत्रीय आर्थिक अंतर्दृष्टि:

- भारत-विशिष्ट आंकड़ों से परे, यह मोबाइल ऐप सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) देशों के आर्थिक डेटा तक पहुँच प्रदान करता है।
- 'सार्क वित्त' लिंक को शामिल करने से क्षेत्रीय आर्थिक रुझानों पर व्यापक दृष्टिकोण मिलता है, जिससे सीमा पार वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा मिलता है।